

प्रेषक,

के. एस. दरियाल,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

समस्त जिलाधिकारी,
उत्तरांचल।

समाज कल्याण अनुभाग।

देहरादून 27 दिसम्बर 2004

विषय : अन्य पिछड़े वर्गों में सामाजिक रूप से उन्नत व्यक्तियों/वर्गों (Creamy Layer) को आरक्षण की परिधि से बाहर रखने हेतु आय के मानकों में संशोधन के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक, शासन के पत्र संख्या-जी.आई.57/स.क./2004-106(स.क.)/2004, दिनांक 21 अप्रैल 2004 के क्रम में यह अवगत कराना है कि भारत सरकार द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग में सम्पन्न वर्गों का निर्धारण करने के लिए आय की सीमा को रुपये 1.00 लाख से बढ़ाकर रुपये 2.50 लाख किए जाने का निर्णय लिया गया था, जो दिनांक 04 फरवरी 2004 से लागू है एवं तत्काल में वार्षिक विभाग-2, उत्तरांचल शासन की अधिसूचना संख्या-29/जी.आई./XXX-(2)/2004, दिनांक 06 सितम्बर 2004 द्वारा उत्तरांचल में भी अन्य पिछड़े वर्गों में सम्पन्न वर्गों का निर्धारण करने के लिए आय की सीमा को रुपये 2.50 लाख कर दिया गया है। अतः उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निर्देश हुआ है कि उक्तानुसार संशोधनों के अनुरूप अग्रेत्तर कार्यवाही सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्नक। यथोपरि।

भवदीय,

(के. एस. दरियाल)
अपर सचिव।

संख्या : 2651(1) / XVII(1) / 2004-106(स.क.) / 2004, तददिनांक :

✓ प्रतिलिपि : निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1. निदेशक, समाज कल्याण, उत्तरांचल, हल्द्वानी (नैनीताल)।
2. महाप्रबन्धक, उत्तरांचल बहुउद्देशीय वित्त एवं विकास निगम लिमिटेड, देहरादून।
3. समस्त जिला समाज कल्याण अधिकारी, उत्तरांचल।

✓ शब्दीय सूचना वितरण क्र-5, देहरादून को इस माध्यम से प्रेषित कि समाज कल्याण विभाग के माध्यम से संभाले जाने का कष्ट करें,

आज्ञा से,

(गरिमा चौकली)
उप सचिव।